विश्व का परिवर्तन अवश्य होगा - सुखडिया

वडोदरा। 'अमृत-महोत्सव' का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए गुजरात सरकार के मंत्री जितेन्द्र भाई सुखडिया, पूर्व मेयर एन.वी.पटेल, क्षेत्रिय संचालिका ब्र.कु.सरला, ब्र.कु.मृत्युंजय, ब्र.कु.राज तथा अन्य।

वडोदरा, अलकापुरी। ब्रह्माकुमारीज् संस्था के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में और परमात्मा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से संस्था के प्लेटिनम जुबली वर्ष में भारत के भिन्न-भिन्न शहरों में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम की श्रृंखला को सम्बोधित करते हुए गुजरात सरकार के मंत्री जितेन्द्र भाई सुखडिया ने आत्मविश्वास भरे शब्दों में कहा कि अब मुझे विश्वास हो रहा है कि सुखमय दुनिया अवश्य आयेगी। और ब्रह्माकुमारीज् के अथक प्रयासों द्वारा मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना अवश्य होगी।

इस अवसर पर ब्र.कु.मृत्यंजय ने 'अमृत महोत्सव' का लक्ष्य स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत एक महान् देश है और इसकी संस्कृति अति प्राचीन है। यहां की संस्कृति वसुधैव कुटूम्बकम का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि जिसे हम जन्म-जन्म से पूजन करते आये हैं वह निराकार परमात्मा स्वयं आ चुके हैं और प्रजापिता ब्रह्मा के साकार माध्यम द्वारा सहज ज्ञान व राजयोग की शिक्षा दे रहे हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हुए स्थानीय कलाकार।

पूर्व मेयर एन.वी.पटेल ने कहा कि गुजरात ही एकमात्र ऐसा राज्य है जहां व्यसनमुक्ति है और सबसे ज्यादा लोग शाकाहारी हैं। अहमदाबाद की ब्र.कु.चंद्रिका ने कहा कि पहले स्वयं को पहचानों कि आप शरीर नहीं आत्मा हो, पिता परमात्मा से हमारे सर्व सम्बन्ध हैं और अपने व्यवहार में मूल्यों को अपनाओं, तब आपका जीवन सुख-शांति से भरपूर हो जायेगा।

गुजरात जोन की संचालिका ब्र.कु.सरला ने कहा कि प्लेटिनम जुबली केवल ब्रह्माकुमारीज् की ही नहीं बल्कि आप सभी की भी है। हम सब एक ईश्वर के एक ही परिवार के सदस्य हैं इसलिए हम सब आपस में भाई-भाई हैं।

इस कार्यक्रम को मंगलवाड़ी की ब्र.कु.राज, माजी धारासभ्य तथा जिला पंचायत खेतीवाड़ी, पशुपालन एवं सिंचाई प्रभाग के अध्यक्ष कांतिभाई तडवी तथा पी.टी.शाह ने भी सम्बोधित किया। ब्र.कु.नरेन्द्र ने सभी का आभार प्रगट किया एवं मंच का कुशल संचालन माउण्ट आबू के ब्र.कु.विवेक ने किया तथा विनय नृत्य कलाकेन्द्र द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सर्जरी के बिना हार्ट का ईलाज संभव - मिढ्ढा

शांतिवन। जब तक हमारा मन शक्तिशाली नहीं होगा तब तक हमारा तन भी बीमार रहेगा, क्योंकि बीज मन में होता है। आज तक तो हमने सुना था कि दवाई और सर्जरी से बीमारी को ठीक कर सकते हैं लेकिन राजयोग मेडिटेशन का निरंतर अभ्यास कर हार्ट की बीमारी को बिना दवाई और सर्जरी के ही ठीक किया जा सकता है।

उक्त उद्गार ग्लोबल हॉस्पीटल के डायरेक्टर डॉ.प्रताप मिढ्ढा ने शांतिवन में हृदय रोगियों के लिए आयोजित प्रोग्राम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राजयोग मेडिटेशन के आधार से हमारे सोचने का ढंग बदल जाता है, कॉनशियसनेस में परिवर्तन आता है तो स्वत: ही मन अच्छा होने लगता है।

संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि राजयोग हमें सच्ची-सच्ची जीवन जीने की कला सीखता है जिससे मन भी स्वस्थ रहता है और तन भी स्वस्थ रहता है। हम पिता परमात्मा से आत्मिक स्थिति में स्थित होते हुए उनसे सर्व शक्तियों की सकाश लेते हुए अपने शरीर के अंदर संचार करेंगे तो इससे शरीर को एक नई ऊर्जा मिलती है जिससे हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और हमारे शरीर का हर अंग शक्तिशाली बनता है।

शांतिवन। 'कैड' कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ.सतीश गुप्ता, डॉ.प्रताप मिढ्ढा, ब्र.कु.भूपाल, ब्र.कु.गीता।

कैड प्रोजेक्ट के संयोजक डॉ.सतीश गुप्ता ने बताया कि इसे शुरु किए हुए 2012 में पूरे 14 वर्ष हो गये हैं। इस कार्यक्रम में अभी तक 3000 से भी अधिक लोग भाग ले चुके हैं। उन्होंने बताया कि राजयोग मेडिटेशन के निरंतर अभ्यास से अनेक लोगों के हार्ट के ब्लॉकेज बिना सर्जरी के खोले गए हैं। जिन लोगों ने हमारे बताये गये नियमों का पालन किया है उनके 91 प्रतिशत ब्लॉकेज खुल गए हैं। उन्होंने बताया कि यदि आप अपनी जीवन शैली को बदलते हैं तो इसका प्रभाव हमारे शरीर की हर कोशिका पर पड़ता है। जिसके कारण शरीर की अनेक पुरानी बीमारियां ठीक हो जाती है।

ब्र.कु.भूपाल ने स्वागत सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि सारी बीमारियों का कारण मन से शुरू होता है। यदि हम स्वयं के लिए भी अच्छा और दूसरों के लिए भी अच्छा सोचते हैं तो इससे हमारे कर्म श्रेष्ठ हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं को आत्मा समझने से हम हेल्दी, वेल्दी और हैपी फील करते हैं।

माउण्ट आबू की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.गीता ने कहा कि सत्य ज्ञान देने वाले पिता परमात्मा का यह रूहानी हॉस्पीटल है। जहां आत्मा और शरीर दोनों का ईलाज किया जाता है। विश्व परिवर्तन की इस वेला में पिता परमात्मा जो सत्य ज्ञान हमें दे रहे हैं और जीवन जीने की जो कला सीखा रहे हैं उससे हम तनाव भरे वातावरण में भी खुशनुमा जीवन जीने की शक्ति देता है। राजयोग का निरंतर अभ्यास हमें स्वयं को जानने व समझने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि हम भगवान को मानते हैं लेकिन उसके बारे में जानते नहीं हैं। हम भावना से सबको भगवान मानते हैं जिसके कारण हमारा मन कहीं भी एकाग्र नहीं होता है।

इस अवसर पर हैदराबाद के ब्र.कु.सत्यनारायण ने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा कि कैसे उन्होंने राजयोग का निरंतर अभ्यास करने से हार्ट के सारे ब्लॉकेज खुल गए और शराब पीने की आदत से भी मुक्ति मिल गई। मंच का कुशल संचालन ब्र.कु.बला ने किया।

सदस्यता शुल्क

भारत - वार्षिक 150 रूपये,
तीन वर्ष 450 रूपये
आजीवन 3500 रूपये
विदेश - 1800 *रूपये (वार्षिक)*
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

संपादक: ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज्, शांतिवन, तलहटी
आबू रोड (राज.) 307510,
Enquiry For Membership - 9414006096
(M)- 9414154344, Email: mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, Website: w.w.w.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।